



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 17] नई दिल्ली, शनिवार, जून 19, 1982 (ज्येष्ठ 29, 1904)
No. 17] NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 19, 1982 (JYAISTHA 29, 1904)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 3

[PART III—SECTION 3]

लघु प्रशासनों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Minor Administrations]

प्रशासन, दादरा एवं नगर हवेली

मिलनाम. दिनांक : 2/6/1982

आदेश संख्या प्रशा०/— सीसीओ 921

आदेश :—

प्रशासक, दादरा एवं नगर हवेली, आवश्यक वस्तुएं अधिनियम 1955 (1955 का केन्द्रीय अधिनियम 60) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए—
कृषि एवं सिंचाई मंत्रालय में सी०एस०आर० संख्याएं 452 (ई) दिनांक 25 अक्टूबर, 1972, 168 (ई) दिनांक 13 मार्च 1973 और 800 दिनांक 9 जून, 1978 के अन्तर्गत प्रकाशित तथा उद्योग एवं नागरिक आपूर्ति मंत्रालय (नागरिक आपूर्ति एवं सहकारिता विभाग) में एम० ओ० 681 (ई) और 682 (ई) दिनांक 20 नवम्बर, 1974, के अन्तर्गत प्रकाशित भारत सरकार के आदेशों के साथ पठित-प्रशामक, दादरा एवं नगर हवेली, एतद्वारा दादरा एवं नगर हवेली व्यापारिक वस्तुएं (लाइसेंसिंग और नियन्त्रण) आदेश, 1981.

भाग I

(प्रारम्भिक)

1. लघु नाम, सीमा एवं प्रारम्भ —

1. इस आदेश को दादरा एवं नगर हवेली व्यापारिक वस्तुएं (लाइसेंसिंग एवं नियन्त्रण) आदेश, 1981 कहा जाए।

2. इसका विस्तार सम्पूर्ण संघ शासित प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली में है।

3. यह तुरन्त प्रभावी होगा।

2. परिभाषाएं.—इस आदेश में यदि प्रसंग में अन्यथा अपेक्षित ना हो तो :—

(क) “थोक ग्राहक” से होटल, रेस्टोरेंट, हलवाई, अस्पताल, छात्रावास सुविधा सहित शैक्षणिक संस्थान अथवा छात्रावास सुविधा सहित धार्मिक अथवा चेरिटेबल संस्था अभिप्रेत है।

(ख) “कोयला” से कोयला, कोक तथा अन्य व्युत्पन्न, जिसमें कच्चा कोयला, पक्का कोयला तथा अन्य श्रेणियां सम्मिलित हैं, अभिप्रेत है।

(ग) “कलेक्टर” से संघ शासित प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली का कलेक्टर अभिप्रेत है।

(घ) “व्यापारी” से व्यक्ति, फर्म, व्यक्तियों का संघ, अथवा सहकारी समिति (राष्ट्रीय और राज्य स्तर को छोड़कर) अभिप्रेत है। क्रय, विक्रय अथवा किसी अन्य व्यापारिक वस्तु के विक्रय के लिए संधय में लगी हुई किसी अन्य व्यवसाय के साथ अथवा स्वयं सहकारी समिति में इसके

प्रतिनिधि अथवा अभिकर्ता हैं। सम्मिलित हैं, निम्नांकित सम्मिलित नहीं हैं—

- (i) वह व्यक्ति जिसके पास पट्टे पर अथवा किसी भी हैमियत में कृषि भूमि है तथा जिस पर वह अनाज और तेलबीज (आयल-सीड) की फसल उन्नत करता है अथवा उन्नत कर लेता है।
- (ii) चीनी, गुड़ और खाण्डसारी का निर्माता।
- (iii) दालों एवं खाद्य तेलों का उत्पादक।
- (ड) “खाद्य तेलों” से एक अथवा अधिक खाद्य तेल (खाद्यान्न) जैसा कि अनुसूची I के भाग (घ) में उल्लिखित है, अभिप्रेत है।
- (च) खाद्यान्न से एक अथवा अधिक खाद्यान्न, जैसा कि अनुसूची I के भाग “क” में उल्लिखित है, अभिप्रेत है। इसमें छिलका और भूसा को छोड़कर खाद्यान्नों के उत्पादन भी सम्मिलित हैं।
- (छ) “फार्म” से इस आदेश के साथ संलग्न फार्म अभिप्रेत है।
- (ज) “गुड़” से गुड़, जेगरी, शक्कर, राब नाम से जाने वाले तथा अन्य उत्पादन अभिप्रेत हैं जो गन्ने के रस को उबाल कर और शीरा मिला कर या बिना मिलाए तैयार किया जाता है। यह निम्नांकित रासायनिक विशेषताओं से पहचाना जा सकता है :—
 - (i) सम्पूर्ण चीनी (शुक्रोज साथ में चीनी घटा कर) चूंक विलयी ठोस का प्रतिशत 70.0 से 95.0 के मध्य, और
 - (ii) बारीक (गंधकीय) चूंक विलयी ठोस का प्रतिशत 1.5 से 5.0, तथा इसमें जल में उपरोक्त किसी भी वस्तु का घोल सम्मिलित है।
- (झ) “खाण्डसारी” से कड़ाही में खुले में बनने वाली चीनी अभिप्रेत है।
- (झा) “लाइसेंसिंग प्राधिकारी” से प्रणामक द्वारा नियुक्त क्रय एवं पूर्ति अधिकारी अथवा कम-से-कम मामलतदार के पद का अधिकारी—जो इस आदेश के विभिन्न उपबन्धों के अधीन विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न व्यापारिक वस्तुओं के लिए शक्तियों के संपादन और लाइसेंसिंग प्राधिकारी के कर्तव्यों निभाने के लिए है,—अभिप्रेत है।
- (ट) “मूल्य एवं स्टॉक सूची” से वह सूची अभिप्रेत है जो समय-समय पर फार्म “डू” में व्यापारी द्वारा रखी जाती है, जिसमें विक्रय मूल्य एवं व्यापारिक वस्तुओं का स्टॉक दर्शाया गया होता है, जिनमें व्यापारी व्यापार करता है।

- (ठ) “तेलबीज” (आयल-सीड) से कोई भी एक अथवा अधिक तेलबीज अभिप्रेत है जो अनुसूची-1 के भाग “ग” में दर्शाया गया है।
- (ड) “व्यवसाय का स्थान” से ऐसा स्थान अभिप्रेत है, जहाँ व्यापारी ने विक्रय के लिए व्यापारिक वस्तुओं का स्टॉक किया हुआ है।
- (ढ) “मूल्य” जो किसी व्यापारिक वस्तु से सम्बन्धित है, से वह राशि अभिप्रेत है जिसमें सभी कर सम्मिलित हैं और जिसमें व्यापारी किसी व्यापारिक वस्तु को बेचता है अथवा बेचने को सहमत होता है अथवा बेचने का प्रस्ताव करता है अथवा बिलग होता है।
- (ण) “उत्पादक” से वह व्यक्ति अभिप्रेत है जो दालों की पिसाई अथवा निष्काषण, निचोड़ अथवा निर्माण अथवा खाद्य तेलों के परिष्करण का व्यवसाय कर रहा है, अथवा
 - (i) स्वयं प्रक्रम के लिए दालें अथवा तेलबीज क्रय करना तथा तैयार उत्पादन को थोक व्यापारी अथवा कमीशन एजेंट के माध्यम से बेचना, अथवा
 - (ii) पिसाई निष्काषण, निचोड़ का प्रक्रम अथवा निर्माण अथवा परिष्करण किसी और की ओर से करना।
- (त) “दाल” से वह एक या अधिक दालें अभिप्रेत हैं जो अनुसूची के भाग “ख” में उल्लिखित हैं, चाहे बिना छिलके वाली अथवा साबुत तथा इसमें छिलके और भूसे को छोड़कर इसके उत्पादन भी सम्मिलित।
- (थ) “फुटकर व्यापारी” से वह व्यापारी अभिप्रेत है जो अनुसूची-1 में उल्लिखित व्यापारिक वस्तुओं का व्यापार करता है और जो थोक व्यापारी नहीं है।
- (ध) “अनुसूची” से वह अनुसूची अभिप्रेत है जो इस आदेश के साथ संलग्न है।
- (न) “मरकार” से मंध गामिन प्रदेश, वादरा एवं नगर हवेली अभिप्रेत है।
- (प) “चीनी” से ऐसी कोई भी चीनी अभिप्रेत है जिसमें 90% शुक्रोज हो।
- (फ) “व्यापारिक वस्तु” से वह वस्तु अभिप्रेत है जो अनुसूची-1 अथवा अनुसूची-11 में उल्लिखित हो।
- (ब) “थोक व्यापारी” से वह विक्रेता अभिप्रेत है जो अनुसूची-1 में उल्लिखित एक अथवा अधिक व्यापारिक वस्तुएं अधिक ग्राहकों के लिए दूसरे विक्रेता को बेचता है।

भाग-II

(व्यापारियों को अनुज्ञापिकरण)

3. व्यापारियों का अनुज्ञापिकरण :—

(1) इस आदेश के प्रारम्भण के पश्चात् कोई भी व्यापारी इस आदेश के उपबन्धों के अन्तर्गत लाइसेंसिंग प्राधिकारी द्वारा जारी लाइसेंस के अन्तर्गत तथा उसकी शर्तों के अनुसार व्यवसाय करने के अलावा अनुसूची-I में उल्लिखित व्यापार की किसी भी वस्तु का क्रय, विक्रय अथवा विक्रय हेतु सचय नहीं कर सकता, लेकिन ऐसे किसी भी व्यापारी के लिए लाइसेंस की आवश्यकता नहीं होगी जो एक समय में, प्रशासन द्वारा व्यापारिक वस्तुओं के लिए समय-समय पर निर्धारित मात्रा से अधिक विक्रय के लिए सचय नहीं करेगा, व्यापारी, जिसके पास अनुसूची III में उल्लिखित विधि लाइसेंसिंग आदेश के अन्तर्गत व्यापारिक वस्तु लाइसेंस है, वह इस आदेश के प्रारम्भण के 30वें दिन तक इस आदेश के अन्तर्गत उन्हीं व्यापारिक वस्तुओं के लिए लाइसेंस प्राप्त कर सकता है उसका मौजूदा लाइसेंस इस आदेश के अन्तर्गत उक्त दिन तक इसे व्यापारी की हैसियत से जारी लाइसेंस माना जाएगा।

(2) यदि कोई व्यक्ति, फर्म, लोगो की संस्था, सहकारी समिति उप-खण्ड (1) में विहित सीमा से अधिक व्यापारिक वस्तुओं का सचय करता है—यदि अन्यथा प्रमाणित न हो-तो ऐसा माना जाएगा कि वह व्यापारी की हैसियत से व्यवसाय चला रहा है तथा विक्रय के लिए ही उसने वस्तुओं का सचय किया है।

4. लाइसेंस जारी करना :—

(1) (क) लाइसेंस के लिए प्रत्येक आवेदन-पत्र (थोक अथवा फुटकर) फार्म "ए" में विहित शुल्क सहित लाइसेंसिंग प्राधिकारी को किया जाएगा।

(ख) इस आदेश के अन्तर्गत जारी किया जाने वाला प्रत्येक लाइसेंस फार्म "सी" में होगा तथा उसमें उल्लिखित शर्तों के अधीन होगा।

(ग) लाइसेंस अगले वर्ष 31 मार्च तक वैध होगा।

(घ) इस आदेश के अन्तर्गत प्रदान किया हुआ लाइसेंस यदि खराब हो जाता है अथवा खो जाता है अथवा नष्ट हो जाता है तो लाइसेंस धारी तत्काल लाइसेंसिंग प्राधिकारी को सूचित करेगा जो लाइसेंस-धारी के आवेदन करने तथा निर्धारित शुल्क के भुगतान करने पर दूसरा लाइसेंस जारी करेगा।

(2) व्यापारी अनुसूची-I में उल्लिखित एक या अधिक व्यापारिक वस्तुओं के लिए लाइसेंस प्राप्त कर सकता है।

(3) व्यवसाय के प्रत्येक स्थान के लिए अलग लाइसेंस आवश्यक होगा।

(4) व्यवसाय के एक ही स्थान के लिए एक ही व्यापारिक वस्तु के लिए थोक तथा फुटकर लाइसेंस प्राप्त नहीं किए जाएंगे।

(5) व्यवसाय के एक ही स्थान के लिए विभिन्न नामों में एक ही व्यापारिक वस्तु के लिए एक से अधिक लाइसेंस प्राप्त नहीं किए जाएंगे।

5. लाइसेंस नवीकरण :—

लाइसेंस के नवीकरण के लिए फार्म "ख" में खण्ड के अधीन निश्चित शुल्क सहित लाइसेंसिंग प्राधिकारी को आवेदन करना होगा। लाइसेंस का नवीकरण एक बार में ही 5 वर्ष की अवधि तक के लिए कराया जा सकता है। यदि लाइसेंस धारी नियत अवधि अर्थात् 31 मार्च तक शुल्क सहित आवेदन पत्र जमा करने में असफल होता है तो प्राधिकारी निम्नलिखित अनुसार विलम्ब शुल्क लेकर आवेदन पत्र 30 अप्रैल तक स्वीकार कर सकता है।

(1) प्रथम पक्ष के लिए रु० 2/—

(II) द्वितीय पक्ष के लिए रु० 5/—

6. प्राभार्य शुल्क :—

लाइसेंस के जारी, लाइसेंस के नवीकरण तथा दूसरा लाइसेंस जारी करने के लिए वह शुल्क प्राभार्य होगा जो समय-समय पर प्रशासन द्वारा निश्चित किया जाएगा।

7. प्रतिभूति रखना :—

प्रत्येक विक्रेता को, इससे पहले कि उसे लाइसेंस जारी किया जाए, निम्नलिखित राशि, उसको जारी किए जाने वाले लाइसेंस की शर्तों के उचित निष्पादन के लिए, तत्काल प्रतिभूति के रूप में—लाइसेंसिंग प्राधिकारी को जमा करानी होगी :—

(1) थोक विक्रय लाइसेंस के लिए
... .. रु० 750/—

(2) फुटकर लाइसेंस के लिए रु० 300/—

यदि लाइसेंस के लिए आवेदक व्यापारी को हैसियत से गुजरात सहकारी समितियाँ अधिनियम, 1961, जिसका विस्तार इस प्रदेश तक है, के अन्तर्गत पंजीकृत कोई सहकारी समिति है तो इसके द्वारा जमा कराई जाने वाली प्रतिभूति की राशि उपरोक्तलिखित राशि की एक-चौथाई के समुल्य होगी।

8. लाइसेंस अस्वीकारने की शक्ति ---

- (1) लाइसेंसिंग प्राधिकारी, प्रमाणित व्यक्ति को अपना पक्ष स्पष्ट करने का अवसर देने के पश्चात् तथा लिखित में रिकार्ड किए जाने वाले कारणों पर भी लाइसेंस प्रदान करना अथवा नवीकरण करना अस्वीकार कर सकता है।
- (2) लाइसेंसिंग प्राधिकारी लाइसेंस प्रदान करने अथवा उसका नवीकरण करना अस्वीकार कर देगा, यदि :—
 - (क) आवेदक अल्पवयस्क है अथवा पागल है अथवा विक्षिप्त मस्तिष्क का है, अथवा
 - (ख) आवेदक अमुक्त दिवालिया है, अथवा
 - (ग) आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का केन्द्रीय अधिनियम 10) के अन्तर्गत आवेदक के दोषमिद्धि की तारीख से तीन वर्ष की अवधि समाप्त नहीं हुई है।
- (3) लाइसेंसिंग प्राधिकारी किसी विशेष-व्यापारिक वस्तु के लिए भी लाइसेंस देने में इकार कर सकता है, यदि
 - (क) उस विशेष व्यापारिक वस्तु के लिए—जिसके लिए आवेदक ने आवेदन किया है—किसी अन्य व्यक्ति को उसी स्थान के लिए लाइसेंस जारी कर दिया है, अथवा
 - (ख) यदि आवेदक ने एक ही व्यापारिक वस्तु के लिए थोक और फुटकर दोनों लाइसेंसों के लिए आवेदन किया है।

9. लाइसेंस में रद्दी-बदल ---

गोदाम, व्यवसाय का स्थान, भागीदारों के नाम, व्यापारिक वस्तु आदि में सम्बन्धित लाइसेंस में की गई प्रविष्टि में लाइसेंस प्राधिकारी रद्दी-बदल कर सकता है।

10 लाइसेंस की शर्तों का उल्लंघन ---

इस आदेश के अधीन जारी किए गए लाइसेंस का कोई भी धारक अथवा उसका अभिलेखी अथवा नौकर अथवा अन्य कोई व्यक्ति—जो उसकी ओर से कार्य कर सकता है।

11. लाइसेंस का निलम्बन तथा निरस्त ---

- (1) यदि कोई लाइसेंसधारी, अथवा उसका अभिलेखी अथवा नौकर अथवा अन्य कोई व्यक्ति—जो उसकी ओर से कार्य कर रहा है—लाइसेंस की किसी शर्त का उल्लंघन कर देता हो, आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का केन्द्रीय 10) के अन्तर्गत उनके विरुद्ध की जा सकने वाली अन्य किसी भी कार्रवाई पर प्रतिबन्ध प्रभाव डाले

बिना उसका लाइसेंस, एक या अधिक व्यापारिक वस्तुओं के सम्बन्ध में, प्राधिकारी के लिखित आदेश द्वारा, निरस्त अथवा निलम्बित किया जा सकता है और ऐसे निलम्बन अथवा निरस्तन से सम्बन्धित प्रविष्टि उसके लाइसेंस में कर दी जाएगी।

- (2) इस खण्ड के अधीन कोई भी लाइसेंस निरस्त नहीं किया जाएगा जब तक कि लाइसेंसधारी का प्रस्तावित निरस्तन के विरुद्ध अपने मामले स्पष्ट करने का यथाचित अवसर नहीं दिया जाता। लेकिन लाइसेंस के निरस्तन की कार्यवाही के अतिरिक्त अथवा पूर्णता के दौरान लाइसेंसधारी को अपना मामला स्पष्ट करने का अवसर दिए बिना लाइसेंस 90 दिन की अवधि में अधिका के लिए निलम्बित अथवा निरस्त नहीं किया जा सकता। किन्तु यह निलम्बन केवल उन्हीं व्यापारिक वस्तुओं के लिए सीमित होगा जिनके सम्बन्ध में उल्लंघन लाइसेंसधारी ने किया है।

12 लाइसेंस के निलम्बित अथवा निरस्त होने पर व्यापारिक वस्तुओं का विधायन ---

जब इस आदेश के अधीन जारी लाइसेंस निरस्त अथवा निलम्बित कर दिया जाता है तो निरस्तन और निलम्बन के समय यदि व्यापारी के पास व्यापारिक वस्तुओं की स्टॉक है तो वह उसे निरस्तन अथवा निलम्बन के आदेश की तारीख से 15 दिन के अन्दर निपटाना होगा।

13 दोषमिद्धि का परिणाम ---

जहां कोई लाइसेंसधारी, आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 (1955 का केन्द्रीय अधिनियम 10) की धारा 3 के अन्तर्गत आदेश के उल्लंघन के लिए दोषी सिद्ध किया जाता है तो लाइसेंसिंग प्राधिकारी, लिखित आदेश द्वारा, उसका लाइसेंस निरस्त कर देगा।

किन्तु जहां पर इसी दोषमिद्धि किसी अंगीन अथवा सशोभन द्वारा रद्द कर दी जाती है, तो लाइसेंस प्राधिकारी, व्यापारी द्वारा आवेदन करने पर उक्त व्यापारी का लाइसेंस फिर चालू कर सकता है जिसका लाइसेंस निरस्त अथवा निलम्बित किया गया था।

14 अमानत जमा की जब्त ---

- (1) खण्ड के उपबन्धों पर बिना प्रतिकूल प्रभाव डाले, यदि लाइसेंसिंग प्राधिकारी सन्तुष्ट हो जाता है कि लाइसेंसधारी लाइसेंस की शर्तों का उल्लंघन किया है और अमानत जमा की जब्त आवश्यक

है, तो वह लाइसेंसधारी को अपना मामला स्पष्ट करने का अवसर दे कर, उसके द्वारा जमा कराई गई जमानत का कोई भाग अथवा सम्पूर्ण जमानत जब्त कर सकता है और आदेश की एक प्रतिलिपि लाइसेंसधारी को भेजेगा।

- (2) यदि जमानत की राशि खण्ड-7 में उल्लिखित राशि से कम पड़ती है तो लाइसेंसधारी लाइसेंसिंग प्राधिकारी के कहने पर जमानत जमा को पूरा करने के लिए और राशि तत्काल जमा कराएगा।
- (3) लाइसेंस के अन्तर्गत लाइसेंसधारी द्वारा सभी बंधनारों या गारन्टी करने पर जमानत की राशि का वह भाग जो जम्मा नहीं किया गया है, जैसा कि ऊपर कहा गया है, लाइसेंसधारी को, लाइसेंस के समापन के पश्चात्, वापिस कर दिया जाएगा।

भाग-III

(मूल्य एवं स्टॉकों से सम्बन्धित प्रतिबन्ध)

15. मूल्य सूची एवं व्यापारिक वस्तु स्टॉक सूची प्रदर्शन :—
प्रत्येक व्यापारी व्यवसाय समय में मूल्य सूची एवं व्यापारिक वस्तु स्टॉक जो उसके पास है उसकी सूची अपने व्यवसाय परिमर के प्रवेश द्वारा पर लगाएगा। ये सूची फार्म "डी" में हिन्दी अथवा गुजराती में सुपाठ्य अक्षरों में लिखी होगी जहाँ में स्पष्ट दिखाई दे सके।

मूल्य एवं स्टॉक सूचियों में प्रयोग की जाने वाली मङ्गला या तो देवनागरी रूप में होंगी अथवा भारतीय सङ्ख्याओं का अन्तराष्ट्रीय रूप होगा। यदि कोई व्यापारिक वस्तु स्टॉक में नहीं है तो सूची में उस वस्तु का मूल्य लिखने की बजाय ये शब्द "स्टॉक में नहीं है" स्पष्ट अक्षरों में उस वस्तु के सामने लिख दिए जाए। किसी भी श्रेणी की व्यापारिक वस्तु का फुटकर मूल्य, जो सूची में दर्शाया गया है, उससे अधिक नहीं होगा जो केन्द्रीय सरकार अथवा प्रशासन अथवा निर्माता अथवा वितरक ने समय-समय पर उस श्रेणी की वस्तुओं के सम्बन्ध में निश्चित अथवा अधिशासन किया है।

16. मूल्य एवं स्टॉक सूचियों के अनुसार व्यापारिक वस्तुओं का विक्रय :—

कोई भी व्यापारी : (1) किसी भी व्यक्ति को व्यापारिक वस्तु उससे अधिक मूल्य में नहीं बेचेगा जो उस वस्तु की मूल्य एवं स्टॉक सूची में उल्लिखित होगा।

- (2) किसी भी व्यक्ति को उस मूल्य पर बेचने में इकार नहीं करेगा जो मूल्य सूची में उल्लिखित अथवा चिह्नी है।

17. रसीद देने की वाध्यता :—

कोई भी व्यापारी किसी भी व्यक्ति को बिना तकदी रसीद अथवा बिल (उसमें स्वयं का नाम, मात्रा क्वालिटी, दर और बेची गई वस्तु का कुल प्राभाषित मूल्य) जारी किए तथा उस तकदी-रसीद अथवा बिल की अनुलिपि स्वयं के पास रखे बिना कोई भी व्यापारिक वस्तु नहीं बेचेगा। किन्तु उस व्यापारी के लिए, जो थोक व्यापारी नहीं है—तकदी रसीद अथवा बिल जारी करना अथवा अनुलिपि रखना, किसी भी व्यापारिक वस्तु के सम्बन्ध में जिसका मूल्य रु० 10/— से अधिक नहीं है—आवश्यक नहीं होगा जब तक कि क्रेता मांग न करे।

18. व्यापारिक वस्तुएं रखने पर प्रतिबन्ध :—

कोई भी व्यक्ति स्वयं अथवा किसी और व्यक्ति की ओर से अनुसूची-I और अनुसूची-II में उल्लिखित वस्तुएं निम्नांकित द्वारा निर्धारित मात्रा से अधिक नहीं रखेगा :—

- (1) केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी आदेश के अन्तर्गत, अथवा
- (2) केन्द्रीय सरकार की पूर्व सहमति में, प्रशासन दादरा एवं नगर हवेली द्वारा समय-समय पर भारत सरकार के राजपत्र में अधिसूचना द्वारा।

19. व्यापारिक वस्तुओं के स्टॉक की मांग :—

प्रत्येक व्यक्ति जिसके पास अनुसूची-I और अनुसूची-II में उल्लिखित वस्तुओं का स्टॉक है, दादरा एवं नगर हवेली प्रशासन, अन्य कोई व्यक्ति अथवा व्यक्तियों को श्रेणी को अपना सारा स्टॉक अथवा उसका एक उल्लिखित भाग उस मूल्य पर तथा उस ढंग से बेचेगा जो कलेक्टर अथवा अन्य कोई अधिकारी जो ममलतदार अथवा क्रय तथा पूति अधिकारी इस सम्बन्ध में प्रशासन द्वारा प्रधिकृत, के पद में निम्न न हो, के आदेश में उल्लिखित है।

स्पष्टीकरण :—इस खण्ड में प्रयोजन के लिए एक व्यक्ति का देय मूल्य, जो कि अपनी सारी व्यापारिक वस्तु का स्टॉक अथवा उसका उल्लिखित भाग बेचने के लिए अपेक्षित है, आवश्यक वस्तुएं अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (3-ख) के उपबन्धों के अनुसार सम्बन्धित अधिकारी द्वारा निश्चित किया जाएगा।

20. विवरण :—

खण्ड 3 में विनिर्दिष्ट, प्रत्येक व्यापारी फार्म "डी" में ऐसे प्राधिकारी को और इस ढंग से अथवा उस अधि के लिए विवरण प्रस्तुत करेगा जो प्रशासन दादरा एवं नगर हवेली द्वारा समय-समय भारत

सरकार के राजपत्र में अधिसूचना द्वारा उल्लिखित किया जाएगा।

21. परमिट द्वारा विक्रय :—

लाइसेंसिंग प्राधिकारी साधारण अथवा विशेष आदेश द्वारा ऐसा कर सकता है कि व्यापारी जिसके पास व्यापारिक वस्तुओं का स्टॉक हो, दादरा एवं नगर हवेली प्रशासन द्वारा प्राधिकृत इस सम्बन्ध में लाइसेंसिंग प्राधिकारी अथवा अन्य कोई अधिकारी द्वारा जारी परमिट द्वारा ही ये वस्तुएं बेचने के लिए अपेक्षित होगा।

22. परमिट अहस्तान्तरणीय :—

कोई भी परमिटधारक अपना परमिट अथवा परमिट पर प्राप्त व्यापारिक वस्तुएं बिना परमिट जारी करने वाले अधिकारी की पूर्वानुमति के किसी भी व्यक्ति को हस्तांतरित नहीं करेगा।

23. परमिट का प्रतिमंहरण :—

परमिट जारी करने वाला अधिकारी, परमिट-धारक को अपनी बात स्पष्ट करने का अवसर देकर, किसी भी समय खण्ड 21 के अन्तर्गत जारी परमिट को निम्नांकित किसी भी कारण से रद्द कर सकता है :—

- (क) कि परमिट धारक ने परमिट मटीरियल ब्यौरे के मिथ्या-निरूपण से प्राप्त किया है।
- (ख) कि परमिट धारक ने इस आदेश के उपबन्धों का किया है, अथवा
- (ग) कि परमिट का जारी किया जाना, जारी करने वाले अधिकारी की राय में, तथा लिखित में उसके द्वारा रिकार्ड किए जाने वाले कारणों के लिए, न्याय-संगत नहीं था।

भाग-4

(विविध)

24. सूचना मंगाने की शक्ति :—

प्रत्येक व्यापारी को, जब लाइसेंसिंग प्राधिकारी के साधारण अथवा विशेष निदेश से ऐसा अपेक्षित हो, किसी भी व्यापारिक वस्तु के सम्बन्ध में सच्चाई एवं पूर्ण जानकारी सहित विवरण प्रस्तुत करने होंगे।

25. व्यापारियों को निदेश देने की शक्ति :—

कलेक्टर अथवा लाइसेंसिंग प्राधिकारी किसी भी व्यापारिक वस्तु के क्रय, विक्रय, निपटान, संचय अथवा मूल्य एवं स्टॉक सूची प्रदर्शन के सम्बन्ध में किसी भी व्यापारी को निदेश दे सकते हैं।

26. अनुसूची में संशोधन करने की शक्ति :—

प्रशासक, शासकीय राजपत्र में अधिसूचित आदेश द्वारा, अनुसूची में से कोई भी व्यापारिक वस्तु जोड़ अथवा निकाल सकते हैं। ऐसा होने पर अनुसूची को तदनुसार संशोधित माना जाएगा।

27. प्रशासक तथा कलेक्टर की अन्तर्निहित शक्तियां :—

इस आदेश में उल्लिखित शक्तियों के अतिरिक्त :—

- (क) प्रशासक के पास कलेक्टर की सभी शक्तियां होंगी, और
- (ख) कलेक्टर के पास लाइसेंसिंग प्राधिकारी की सभी शक्तियां होंगी।

28. अपील :—(1) इस आदेश के अन्तर्गत किसी अधिकारी द्वारा बनाए गए किसी आदेश से कोई व्यक्ति अप्रसन्न होता है तो :—

- (क) वह कलेक्टर से अपील कर सकता है यदि आदेश कलेक्टर से निम्न पद के अधिकारी ने बनाया है।
- (ख) यदि आदेश कलेक्टर ने बनाया है तो प्रशासक से अपील कर सकता है।

(2) यदि अपीलकर्ता ने आदेश प्राप्त होने की तारीख से आदेश के विरुद्ध 30 दिन के अन्दर-अन्दर अपील नहीं की तो उसकी अपील ग्रहण नहीं की जाएगी।

(3) ऐसा कोई भी आदेश इस खण्ड के अन्तर्गत जो किसी व्यक्ति पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है, पारित नहीं किया जाएगा, जब तक कि ऐसे व्यक्ति को अपनी बात स्पष्ट करने का यथोचित अवसर नहीं दिया जाता।

(4) अपील के रहे हुए मामलों के सम्बन्ध में अपीलप्राप्त अधिकारी यह निदेश दे सकता है कि वह आदेश, जिसके विरुद्ध अपील की गई है, तब तक प्रभावी नहीं होगा जब तक कि उस अपील का निपटारा नहीं हो जाता।

29. संशोधन :—

प्रशासक, इस आदेश के उपबन्धों के अन्तर्गत कलेक्टर अथवा लाइसेंसिंग प्राधिकारी द्वारा किसी की अवधि के निमित्त मामले को मंगवा सकता है, यदि वह सन्तुष्ट हो जाता है कि कलेक्टर अथवा लाइसेंसिंग प्राधिकारी :—

- (क) ने क्षेत्राधिकार का प्रयोग किया है जो उसमें निहित नहीं थी, अथवा
- (ख) निहित क्षेत्राधिकार का प्रयोग अधिक अनियमितता के साथ किया है।
- (ग) निहित क्षेत्राधिकार का प्रयोग करने में असफल रहा अथवा यह कोई भी आदेश पारित कर सकता है जो वह उचित समझे।

30. प्रवेश, छानबीन तथा जब्ती आदि की शक्तियाँ :—

(1) लाइसेंसिंग प्राधिकारी अथवा कार्रकारी दण्डाधिकारी अथवा पुलिस अधिकारी-पुलिस उप-निरीक्षक के पद से निम्न नहीं—अथवा मामलतदार अथवा खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग का कोई अधिकारी-अथवा एवं आपूर्ति निरीक्षक के पद से निम्न नहीं अथवा आपूर्ति निरीक्षक अथवा प्रशासक का अन्य कोई अधिकारी अथवा एवं आपूर्ति विभाग के आपूर्ति निरीक्षक के पद से निम्न नहीं—इस खण्ड में प्रशासक द्वारा प्राधिकृत, अपने क्षेत्राधिकार के अन्दर ही, इस आदेश के अनुपालन को सुरक्षित करने के लिए अथवा स्वयं को संतुष्ट करने के लिए कि इस आदेश का अनुसरण किया जा रहा है, ऐसे सहयोग में, यदि कोई है, जो उसे उचित लगे वह :—

(क) किसी भी स्थान, परिसर, वाहन, अथवा वासन के स्वामी, दखनदार अथवा इनके प्रभारी को लेखों, प्रलेखों की पुस्तकें जिनमें विश्वास करने के लिए यदि उसके पास कारण है, कि इस आदेश के उपबन्धों का उल्लंघन किया गया है, किया जा रहा है अथवा किया जाने वाला है, लेखों, प्रलेखों की पुस्तकें-जिनमें इन उल्लंघनों से सम्बन्धित लेन-देन दर्शाया गया है तो प्रस्तुत करने के लिए आदेश दे सकता है।

(ख) किसी भी स्थान, परिसर वाहन अथवा वासन—जिसमें यदि उसे विश्वास करने के लिए कारण है कि इस आदेश के उपबन्धों का कोई भी उल्लंघन किया गया है, किया जा रहा है अथवा किया जाएगा—में वह प्रवेश कर सकता है, निरीक्षण कर सकता है, तोड़ सकता है, खोल सकता है तथा तलाश ले सकता है।

(ग) लेखा पुस्तकें व प्रलेख जब्त कर सकता है जो उसकी राय में आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 (1955 का केन्द्रीय अधिनियम 10) के अन्तर्गत किसी कार्रवाई के लिए उपयोग अथवा उससे सम्बन्धित हो सकती है तथा वह व्यक्ति, जिसके संरक्षण में लेखा पुस्तकें अथवा प्रलेख जब्त किए जाते हैं, वह उनका प्रतिलिपिया बनाने अथवा उनका सांच लेने का—उप अधिकारी की मौजूदगी में जिसके संरक्षण में लेखा-पुस्तकें अथवा प्रलेख हैं—हस्तक्षेप होगा।

(घ) व्यापारिक वस्तुओं का स्टॉक पैकेज, आवरण अथवा पात्र सहित जिसमें स्टॉक होता है इन वस्तुओं के सम्बन्ध में यदि उसके पास विश्वास करने के लिए कारण है

कि—इस आदेश के किसी उपबन्ध का उल्लंघन हुआ है तो छानबीन, जब्त कर सकता है और हटा सकता है।

(ङ) ऐसे निरीक्षण के प्रयोजन आदि के लिए किसी भी व्यक्ति से आवश्यक प्रश्न पूछ सकता है।

(2) दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 (1973 का केन्द्रीय अधिनियम-2) की धारा 100 के उपबन्ध, छानबीन और जब्ती से सम्बन्धित, जहां तक हो, इस खण्ड के अधीन छानबीन और जब्ती पर लागू होंगे।

31 विमुक्तियाँ —

(1) प्रशासक, साधारण अथवा विशेष आदेश द्वारा और आदेश में उल्लिखित शर्तों अथवा प्रतिबन्धों के अन्तर्गत किसी भी व्यक्ति अथवा व्यक्तियों की श्रेणी अथवा फर्म अथवा संस्था अथवा अन्य कोई महात्तगो समिति को, इस आदेश के सभी अथवा को भी उपबन्ध के संचालन से विमुक्त कर सकते हैं और किसी भी समय इस विमुक्ति को निरस्त अथवा निरन्धित कर सकते हैं।

(2) निम्नांकित द्वारा अथवा की ओर से इस आदेश में, व्यापारिक वस्तुओं की बिक्री के लिए क्रय, विश्रय संचय पर कुछ लागू नहीं होगा :—

(1) केन्द्रीय सरकार, अथवा

(2) प्रशासक, दादरा एवं नगर हवेली, अथवा

(3) अधिकारी, विभाग, संस्थान अथवा दादरा एवं नगर हवेली के अन्य आबन्ध अथवा ऐमा ऐजेंसिया जो दादरा एवं नगर हवेली से अनुमोदित हैं।

32 निरसन और वचन —

(1) इस आदेश के प्राप्ति की तारीख से अर्सूची-III में उल्लिखित आदेश निरस्त समझे जाएंगे तथा इस उप-खण्ड द्वारा निरस्त आदेशों में प्रतिकूल बातें होने पर भी इस आदेश के उपबन्ध प्रभावी होंगे।

(2) उप-खण्ड (1) में निर्दिष्ट आदेशों के निरसन से का हुई प्रयत्न का जाने वाला किसी बात पर तथा निम्न आदेशों के अधीन कोई कार्यवाई पर कोई प्रभाव नहीं होगा। सामान्य खण्ड अधिनियम (1997 का अधिनियम संख्या 107) के उपबन्ध इस निरसन पर वैसे ही लागू होंगे जैसे वे दादरा एवं नगर हवेली के किसी अधिनियम के निरसन पर लागू होते हैं।

अनुसूची-I

भाग "क" (याद्यान्न)

1. गेहूँ
2. जौ
3. बाजरा
4. मक्का
5. चावल
6. धान
7. ज्वार
8. लघु धान्य (उदाहरणार्थ रगी, कोद्रा)
9. मिली
10. मोरचम
11. मिश्रित खाद्यान्न (गुज्जी, बेन्ना आदि)

भाग "ख" (दालें)

1. उड़द
2. मूंग
3. अरहर
4. मसूर
5. मोठ
6. लोविया
7. राजमा
8. चना
9. मटर
10. तूर
11. बाल
12. अन्य दालें

भाग "ग" (तेलबीज) (आयल सीड)

1. सरसों
2. तिल
3. मूंगफली
4. तारामोरा
5. अलसी
6. रैदा
7. आयातित तेलबीज (आयल सीड)
8. अन्य कोई तेलबीज (खरमाना आदि सतफ्लावर)

भाग "घ" (खाद्य तेल)

1. सरसों
2. तिल तेल
3. मूंगफली तेल
4. तारामोरा तेल
5. अलसी तेल
6. रैदा तेल
7. जल उत्पन्न वनस्पति तेल
8. आयातित खाद्य तेल
9. बिनौला तेल

भाग "ङ" (अन्य वस्तुएं)

1. चीनी और खाण्डसारी
2. गुड़
3. मिट्टी का तेल
4. कोयला

अनुसूची-II

1. चाय (सभी प्रकार की)
2. टायर और ट्यूब (माइनिंग, रिकशा, कार, बस, जीप, ट्रक, स्कूटर, मोटर साइकिल, ट्रैक्टर और ट्रोलर, ठेला गाड़ी तथा अन्य वाहन)
3. साबुन (कपड़े धोने और स्नान करने का)
4. डिटजेंट पाउडर
5. माचिस
6. सैल, टार्च और ट्रांजिस्टर
7. मिर्च (सूखी)
8. अभ्यास पुस्तिकाएं
9. उर्वरक
10. डबलरोटी
11. देशी घी
12. सोडा पिसा हुआ
13. कागज (विविध प्रकार के)

अनुसूची-III

(निरस्त आदेशों की सूची)

1. दादरा एवं नगर हवेली खाद्यान्न व्यापारी लाइसेंस आदेश-1966.
2. दादरा एवं नगर हवेली गेहूँ व्यापारी लाइसेंस आदेश-1973.
3. दादरा एवं नगर हवेली वनस्पति व्यापारी लाइसेंस आदेश-1969.
4. दादरा एवं नगर हवेली दालें एवं खाद्य तेल लाइसेंस आदेश-1977.
5. दादरा एवं नगर हवेली चीनी एवं खाण्डसारी व्यापारी लाइसेंस आदेश-1965.
6. दादरा एवं नगर हवेली आवश्यक वस्तुएं व्यापारी (विनिमय) आदेश 1974.
7. दादरा एवं नगर हवेली जैंगरी विक्रेता (लाइसेंस) आदेश-1978.

फार्म "ए"

[देखिए खण्ड 4(1) (क)].

थोक/फुटकर लाइसेंस की ग्रांट के लिए आवेदन

सेवा में

लाइसेंसिंग प्राधिकारी

.....

महोदय,

मैं एतद्वारा दादरा एवं नगर हवेली व्यापारिक वस्तुएं (लाइसेंस एवं नियन्त्रण) आदेश 1981, के अन्तर्गत लाइसेंस

की ग्रांट के लिए आवेदन करता हूँ। अपेक्षित ब्योरा निम्न प्रकार से है :—

1. आवेदक का ब्योरा
नाम सुपुत्र जाति
2. आवेदक का निवास पता
(क) घर सं० (ख) मोहल्ला
(ग) ग्राम/कस्बा (घ) तहसील
3. नाम/प्रणाली जिसमें लाइसेंस अपेक्षित है
4. आवेदक के व्यवसाय के स्थान की स्थिति
(क) घर/दुकान संख्या (ख) मोहल्ला/मार्केट
(ग) ग्राम/कस्बा (घ) तहसील

5. फर्म के भागीदार का नाम, यदि कोई है :—

- (1) श्री सुपुत्र आयु जाति
- (2) श्री सुपुत्र आयु जाति
- (3) श्री सुपुत्र आयु जाति

6. उस व्यापारिक वस्तु का ब्योरा जिसमें आवेदक व्यवसाय करना चाहता है :—

शोक व्यापारी के रूप में	फुटकर व्यापारी के रूप में
1	1
2	2
3	3
4	4
5	5

7. क्या आवेदक के पास पहले भी उस व्यापारिक वस्तुओं के लिए लाइसेंस था जिसके लिए उसने अब लाइसेंस के लिए आवेदन किया है? यदि ऐसा है तो ब्योरा दीजिए :—

- (1) व्यापारिक वस्तु का नाम
- (2) लाइसेंस संख्या
- (3) बालान संख्या तथा तारीख महित जमा कराई गई जमानत की राशि

8. क्या आवेदक मद संख्या में उल्लिखित जमानत राशि को अब आवेदन किए गए लाइसेंस की राशि में समजित कराना चाहता है? यदि ऐसा है तो उसका चालान संख्या, दिनांक तथा राशि का विवरण दें।

9. आवेदक उस वस्तु का व्यापार कब से कर रहा है जिसके लाइसेंस के लिए उसने आवेदन किया है?

10. आवेदन करने की तारीख को व्यापारिक वस्तु के स्टॉक के कच्चे के संबंध में ब्योरा।

11. उस गोदाम अथवा स्थान का पूरा पता (घर सं०, मोहल्ला आदि सहित) जहां व्यापारिक वस्तु-जिसके

लाइसेंस के लिए आवेदन किया गया है—संघित की जाएगी।

- 1
- 2
- 3
- 4
- 5

12. क्या आवेदक को विधिन्यायालय द्वारा पिछले 3 वर्षों में आवश्यक वस्तुएं अधिनियम 1955 के अधीन जारी आदेश के उल्लंघन के लिए दोषी ठहराया गया?

13. पिछले तीन वर्षों में आवेदक के लाइसेंस के निलम्बन अथवा निरसन का ब्योरा।

14. क्या आवेदक को न्यायालय द्वारा बिवालिया घोषित अथवा निर्णित किया गया था?

मैं घोषणा करता हूँ कि ऊपर मद्य संख्या 1 से 14 में उल्लिखित विवरण मेरा जानकारी व विश्वास के अनुसार सत्य हैं और कुछ भी छिपाया नहीं गया है।

मैंने दादरा एवं नगर हवेली व्यापारिक वस्तुएं (लाइसेंसिंग एवं नियन्त्रण) आदेश, 1981 ध्यान से पढ़ लिए हैं और मैं उनका पालन करने को सहमत हूँ।

स्थान मायिक/भागीदार के हस्ताक्षर
दिनांक

फार्म "बी"

(देखिए खण्ड—5)

लाइसेंस सं० के नवीकरण के लिए आवेदन सेवा में

लाइसेंसिंग प्राधिकारी,

महोदय,

मैं एतद्वारा दादरा एवं नगर हवेली व्यापारिक वस्तुएं (लाइसेंसिंग और नियन्त्रण) आदेश, 1981, के अन्तर्गत जारी अपने लाइसेंस संख्या के नवीकरण के लिए आवेदन करता हूँ। अपेक्षित विवरण निम्न प्रकार से है :—

- (1) जिस तारीख को लाइसेंस की कालावधि समाप्त होती है
- (2) जिसके नाम पर लाइसेंस है
- (3) कितने वर्ष के लिए नवीकरण चाहते हैं?
- (4) आवश्यक वस्तुएं अधिनियम 1955 के अधीन जारी आदेश के उल्लंघन के लिए पिछले तीन वर्षों के दौरान यदि लाइसेंसधारी के विरुद्ध कोई कार्रवाई की गई है, तो उसका ब्योरा

मैं एतद्वारा यह घोषणा करता हूँ कि उपरोलिखित विवरण मेरी जानकारी व विश्वास के अनुसार सत्य है तथा कुछ भी नहीं छिपाया गया है।

स्थान आवेदक के हस्ताक्षर
दिनांक

फार्म "सी"

[देखिए खण्ड 4(1) (ख)]

दादरा एवं नगर हवेली व्यापारिक वस्तुएं (लाइसेंसिंग और नियन्त्रण) आदेश, 1981

लाइसेंस

- (1) लाइसेंस सं० थोक विक्रेता/फुटकर
- (2) जमानत जमा रु० देखें चालान और तारीख
 - (1)
 - (2)
 - (3)
 - (4)
 - (5)

"शर्तें"

1. श्री/श्रीमती को दादरा एवं नगर हवेली व्यापारिक वस्तुएं (लाइसेंसिंग और नियन्त्रण) आदेश, 1981 के उपबन्धों तथा इस लाइसेंस की शर्तों के अधीन निम्नांकित व्यापारिक वस्तुएं क्रय, विक्रय अथवा संचय करने के लिए एतद्वारा प्राधिकृत करते हैं :—

थोक विक्रेता के रूप में फुटकर विक्रेता के रूप में

- | | |
|---------|---------|
| 1 | 1 |
| 2 | 2 |
| 3 | 3 |
| 4 | 4 |
| 5 | 5 |

2. (क) लाइसेंसधारी उपर्युक्त व्यापारिक वस्तुओं का व्यवसाय निम्नांकित स्थानों पर कर सकता है :

- (ख) उपर्युक्त व्यवसाय से सम्बन्धित व्यापारिक वस्तुएं निम्नांकित गोदामों के अतिरिक्त कहीं भी संचित नहीं की जा सकती।

- (1)
- (2)
- (3)

(4)

(5)

टिप्पणी : यदि लाइसेंसधारी व्यापारिक वस्तुओं का संचय उपरोलिखित स्थानों को छोड़कर कहीं और करना चाहता है तो वह लिखित रूप में इसकी सूचना संचय करने के बहत्तर घंटे के अन्दर लाइसेंसिंग प्राधिकारी को देगा। वह उपरोक्त सूचना देने के 15 दिन के अन्दर लाइसेंसिंग प्राधिकारी को अपेक्षित परिवर्तन करने के लिए लाइसेंस भी देगा।

3. (क) लाइसेंसधारी को फार्म "एफ" में पैरा 1 में उल्लिखित व्यापारिक वस्तुओं का एक दैनिक लेखा स्टाक रजिस्टर बनाना होगा, जिनमें निम्नांकित को सही ढंग से दर्शाया गया हो :—

- (1) प्रत्येक दिन का प्रारंभिक स्टाक।
- (2) प्राप्त मात्रा, यह दर्शाते हुए कि कहां से और किस स्रोत से प्राप्त की गई।
- (3) प्रत्येक दिन का अंत स्टाक।

स्पष्टीकरण :—लाइसेंस धारी विभिन्न व्यापारिक वस्तुओं के लिए एक से अधिक स्टाक रजिस्टर रखे और प्रत्येक व्यापारिक वस्तु को एक अलग पृष्ठ दे।

(ख) व्यापारिक वस्तु के क्रय-विक्रय से सम्बन्धित टेलिफोन अथवा बिस्ती अथवा अन्य किसी प्रकार से हुए लेन-देन की प्रविष्टि स्टाक रजिस्टर में की जाएगी। यदि लेन-देन की तारीख को क्रय की गई व्यापारिक वस्तु प्राप्त नहीं होती है तो इस सम्बन्ध में एक नोट स्टाक रजिस्टर में रिकार्ड कर दिया जाएगा।

(ग) स्टाक रजिस्टर में विभिन्न व्यापारिक वस्तुओं की मात्राएं निम्न-प्रकार से दर्ज की जाएगी :—

- (1) खाद्यान्न चीनी, गुड़, मादा अथवा कि० ग्रा० में खाण्डमारी, तेलबीज तथा दालें।
- (2) खाद्य तेल टिन/कि० ग्रा० में
- (3) मिट्टी का तेल लीटर में
- (4) कोयला क्विंटल अथवा कि० ग्रा० में।

(घ) लाइसेंसधारी को स्टाक रजिस्टर में प्रत्येक दिन की प्रविष्टियां अधिक से अगले दिन के लेन-देन के प्रारम्भ तक कर देनी चाहिए, अन्यथा, जब तक प्रविष्टि न करने का यथोचित कारण न हो, उसे प्रमाणित करने का बोझ उस पर होगा।

- (ड) लाइसेंसधारी यदि स्वयं खाद्यान्न, तेलबीज अथवा साबुत दालों का उत्पादक है तो वह स्टॉक रजिस्टर में, अपने उत्पादन के लिए, यदि उत्पादन उसी के व्यवसाय परिसर में संचित किया जाता है तो, एक अलग स्टॉक रजिस्टर बनाएगा।
4. लाइसेंसधारी इस आदेश के उपबन्धों का अथवा आवश्यक वस्तुओं में सम्बन्धित अन्य किसी विधि का, जो कुछ समय के लिए लागू हो, उल्लंघन नहीं करेगा।
5. लाइसेंसधारी :—
- (1) किसी भी व्यापारिक वस्तु का ऐसा कोई भी लेन देन नहीं करेगा जिसका क्रय, विक्रय, संचय आदि सट्टे का रूप हो तथा जिससे मार्केट में उस वस्तु की सुलभता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े।
 - (2) किसी भी व्यापारिक वस्तु को उससे अधिक दामों पर नहीं बेचेगा जो उस वस्तु के सम्बन्ध में मूल्य एवं स्टॉक सूची में उल्लिखित होगा।
 - (3) किसी भी व्यक्ति को विक्रय के लिए रखी कोई भी व्यापारिक वस्तु मूल्य एवं स्टॉक सूची में उल्लिखित दर पर बेचने से इंकार नहीं करेगा।
 - (4) खण्ड 18 के अधीन निश्चित की गई अधिकतम सीमा से अधिक व्यापारिक वस्तुओं का स्टॉक नहीं रखेगा।
6. खण्ड 15 के उपबन्धों के अनुसार लाइसेंसधारी फार्म "ई" में हिन्दा अथवा गुजराती में सुस्पष्ट अक्षरों में उन व्यापारिक वस्तुओं की मूल्य एवं स्टॉक सूची दर्शाएगा जिसमें वह व्यवसाय करता है।
7. लाइसेंसधारी इन व्यापारिक वस्तुओं के प्रत्येक ग्राहक को अपना नाम और लाइसेंस संख्या, ग्राहक का नाम, लाइसेंस संख्या (यदि कोई है) लेन-देन की तारीख, बेची हुई वस्तु की मात्रा तथा प्रसारित मूल्य आदि विवरण देते हुए नकद रखी है (कैश-मीमो) अथवा बोजक (इन्वॉइस) जारी करेगा। वह उसकी अनुलिपि स्वयं के पास रखेगा ताकि निरीक्षण के समय लाइसेंसिंग प्राधिकारी अथवा इस सम्बन्ध में प्राधिकृत कोई अन्य अधिकारी के मागने पर दिखाई जा सके। किन्तु उस फुटकर व्यापारी के लिए उस व्यापारिक वस्तु को नकद रसीद अथवा बोजक जारी करना अथवा उसकी अनुलिपि रखना अनिवार्य नहीं होगा जिसका विक्रय मूल्य 10 रु० से अधिक नहीं है।
8. लाइसेंसधारी के मांगे जाने पर व्यवसाय से सम्बन्धित सही सूचना प्रस्तुत करेगा तथा उन अनुदेशों का पालन करेगा जो समय-समय पर लाइसेंसिंग प्राधिकारी द्वारा दिए जाएंगे।
9. लाइसेंसधारी सभी यथोचित समय पर अपनी किसी भी दुकान, गोदाम अथवा अन्य स्थानों पर जिन्हें वह संचय, विक्रय अथवा क्रय के लिए प्रयोग करता है निरीक्षण प्राधिकारी को अपना स्टॉक तथा लेखा निरीक्षण के लिए तथा जांच के लिए पैरा 1 में उल्लिखित व्यापारिक वस्तुओं के नमूने लेने के लिए सर्व प्रकार की सुविधाएं प्रदान करेगा।
10. लाइसेंसधारी, पैरा 3 में उल्लिखित व्यापारिक वस्तु के क्रय, विक्रय अथवा विक्रय के लिए संचित तथा भाषा के सम्बन्ध में जिसमें रजिस्टर, विवरण, रसीदें अथवा बीजक लिखे जाएंगे तथा रजिस्ट्रों की प्रमाणिकता तथा रख-रखाव के सम्बन्ध में प्रशासक अथवा कलेक्टर अथवा लाइसेंसिंग प्राधिकारी द्वारा दिए जाने वाले निर्देशों का पालन करेगा।
11. लाइसेंसधारी, जब विनियमित मार्केट प्राधिकारी द्वारा दिए जाने वाले उन अनुदेशों, जो प्राधिकारी के क्षेत्राधिकारों में हों, का अनुपालन करेगा जो उसके व्यवसाय से सम्बन्धित हों तथा किसी अन्य मामले में ऐसे व्यक्ति के अनुदेशों का पालन करेगा जो प्रशासक द्वारा इस सम्बन्ध में मान्य हों।
12. लाइसेंसधारी, यह सुनिश्चित करने के लिए कि उसके द्वारा संचित व्यापारिक वस्तुओं का रख-रखाव उचित स्थान पर होता है, पर्याप्त उपाय करेगा तथा और यह उपाय करेगा ताकि व्यापारिक वस्तुओं को भूमि, आर्द्रता, वर्षा, कीट, कृन्तक, पक्षी, आग तथा अन्य ऐसे कारणों से होने वाली हानि से बचाया जा सके। लाइसेंसधारी यह भी सुनिश्चित करेगा कि उर्वरक, कीटाणुनाशक तथा विषैले रसायन, जो वस्तुओं को दूषित कर दे, ऐसी वस्तुओं के साथ न रखे जाएं अथवा व्यापारिक वस्तुओं के बिल्कुल साक्षिष्ठ में न रखे जाएं।
13. लाइसेंसधारी व्यापारिक वस्तु की पूर्ति अथवा विक्रय उसी मात्रा, वजन और मूल्य पर करेगा जो उस वस्तु के डिब्बे/पैकेज पर अंकित होगा लेकिन यदि केन्द्रीय सरकार अथवा वावरा एवं नगर हवेली प्रशासन के आदेश से कोई संचय सीमा की अनुमति दी तो वह मात्रा अथवा वजन में घटा ली जाएगी।
14. लाइसेंस नवीकरण के लिए आवेदन पत्र के साथ संलग्न किया जाए।
15. यह लाइसेंस 31 मार्च, 1981 तक वैध होगा।

स्थान :—

दिनांक :—

(लाइसेंसिंग प्राधिकारी)

(फार्म "डी")

(देखिए खण्ड 20)

..... की अवधि के लिए विवरण नाम.....
 लाइसेंस संख्या..... थोक/कुटकर.....

क्र०सं०	व्यापारिक वस्तु	पक्ष/माह के प्रारम्भ में स्टाक	पक्ष/माह के दौरान क्रय किया गया अथवा अन्य प्रकार से प्राप्त स्टोक	कुल	पक्ष/माह के दौरान बेचा गया अथवा अन्य प्रकार से हटाया गया स्टोक	पक्ष/माह के अन्त में स्टोक	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6	7	8

स्थान :—

दिनांक :—

हस्ताक्षर

प्रति

लाइसेंसिंग प्राधिकारी,

विशेष ध्यान दें :—

- (1) वजन क्विंटल/लीटर/टन में प्रविष्ट किया जाना है।
- (2) बैक, सहकारी समिति आदि के पास गिरवी माल को भी उपर्युक्त आंकड़ों में सम्मिलित किया जाना है।
- (3) लेन-देन का उल्लेख करने की आवश्यकता नहीं। आंकड़ों की क्विंटल/लीटर/टन के समीप वाले पूर्णांक में लिख दें।
- (4) हाइड्रोजनिक वनस्पति तेलों, खाद्य तेलों और गुड़ आदि को पहले क्विंटल आदि में परिवर्तित किया जाए और फिर विवरण में सम्मिलित किया जाए।

*यदि किसी व्यक्ति के पास कोई लाइसेंस न हो तो उस मामले में न दिया जाए।

फार्म "ई"

(देखिए खण्ड 15)

व्यापारिक वस्तुओं की मूल्य एवं स्टोक सूची

व्यापारी का नाम.....		दिनांक.....		
क्र०संख्या	व्यापारिक वस्तु का नाम	प्रत्येक व्यापारिक वस्तु का मूल्य	दिवस के प्रारम्भ में व्यापारिक वस्तुओं का स्टॉक	टिप्पणी

व्यापारी के हस्ताक्षर

विशेष ध्यान दें :—

- (1) व्यापारिक वस्तु की प्रत्येक मात्रा/बनावट पृथक-पृथक दर्शायी जानी चाहिए ताकि पृथक मूल्य मात्रा/बनावट दर्शायी जा सके।
- (2) उपर्युक्त सूची के बालम चार में, यदि कोई व्यापारिक वस्तु, तेलबीज, वालें, मिट्टी का तेल, कांयला, खाद्य तेलों को छोड़कर, स्टोक में है तो, "स्टोक में है" शब्द लिखे जाएं तथा यदि वस्तु स्टोक में नहीं है तो "स्टोक में नहीं है" शब्द लिखे जाएं।

फार्म "एफ"
(देखिए लाइसेंस की शर्त संख्या 3)

व्यापारिक वस्तु का नाम

दिनांक	अवशेष	प्राप्ति	प्राप्ति के स्रोत	कुल (कालम 2 जमा 3	डिलीवरी/ बिक्री	गंतव्य स्थान	अंतर्देश	टिप्पणी
--------	-------	----------	----------------------	----------------------	--------------------	--------------	----------	---------

प्रशासक के आदेशानुसार

अशोक कुमार आचार्य

प्रशासक के सचिव,

वावरा एवं नगर हवेली,

सिलवासा

ADMINISTRATION OF
DADRA AND NAGAR HAVELI

Silvassa, the 2nd June 1982

ORDER

No. ADM/SUP/CCO/921.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (Central Act 10 of 1955) read with the orders of the Government of India in the Ministry of Agriculture and Irrigation (Department of Food) published under G.S.R. Nos. 452(E) dated 25th October, 1972, 168(E) dated 13th March, 1973 and 800. dated 9th June, 1978 and in the Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Civil Supplies and Cooperation) published under S.O. 681 (E) and 682(E) dated 30th November, 1974, the Administrator, Dadra and Nagar Haveli is hereby pleased to make the order, namely:—THE DADRA AND NAGAR HAVELI TRADE ARTICLES (LICENSING AND CONTROL) ORDER, 1981.

PART I

(Preliminary)

1. Short title, extent and commencement :—

1. This order may be called "The Dadra and Nagar Trade Articles (Licensing and Control) Order, 1981".
2. It extends to the whole of the Union Territory of Dadra and Nagar Haveli.
3. It shall come into force at once.

2. Definitions—In this order unless the context otherwise requires :—

- (a) "bulk consumer" means a hotel, a restaurant, a halwai, a hospital, an educational institution with hostel facilities or a religious or charitable institution with hostel facilities;
- (b) "Coal" means coal, coke and other derivatives and includes soft coke, hard coke or various grades;
- (c) "Collector" means the Collector of Union Territory of Dadra and Nagar Haveli;
- (d) "dealer" means a person, a firm, an association of persons or a co-operative society other than a National and State Level Co-operative Society, engaged in the business of purchase, sale or storage for sale of any trade articles whether or not in conjunction with any other business and includes his representative or agent but does not include :—

- (i) a person who holds or is in possession of agricultural land under any tenure or any

capacity and on which he raises or has raised crop of foodgrains, oil seeds or whole pulses;

(ii) a manufacturer of sugar, gur and Khandsari;

(iii) a producer of pulses and edible oils;

(e) "edible oils" means any one or more of edible oils (the foodgrains) as specified in part 'D' of Schedule-I;

(f) "foodgrains" means any one or more of the foodgrains as specified in part "A" of Schedule I and includes products of such foodgrains other than husk and bran;

(g) "form" means a form appended to this order;

(h) "gur" means the articles known as gur, jaggery, shakker, rab and other intermediary products, prepared by boiling sugarcane juice with or without admixture of molasses, which is identifiable by the following chemical characteristics namely :—

(i) total sugars (sucrose plus reducing sugar) as percentage of dissolved solids ranging from 70.0 to 95.0; and

(ii) ash (sulphated) as percentage of dissolved solids ranging from 1.5 to 5.0; and includes a solution of any of the aforesaid articles in water;

(i) "Khandsari" means sugar produced by open pan process;

(j) "Licensing Authority" means Purchase and Supply Officer or an officer not below the rank of Mamlatdar appointed by the Administrator to exercise the powers and perform the duties of the Licensing Authority for different trade Articles for different areas and under the different provisions of this order;

(k) "list of prices and stocks" means the list maintained from time to time by a dealer in form 'E' indicating the sale prices and stocks of the trade articles in which the dealer carries on business;

(l) "Oilseeds" means any one or more of the oilseeds as specified in part 'C' of Schedule I.

(m) "place of business" means any place where a dealer sells any of the trade articles held by him in stock;

(n) "Price" in relation to a trade article means the amount of money inclusive of all taxes, for which the dealer sells or agrees to sell or offers to sell or parts with any trade article;

(o) "producer" means a person carrying on the business of milling any of the pulses or expelling, extracting or manufacturing or refining any edible oil; or

- (i) by buying pulses or oilseeds for being processed by himself and selling the finished products to a wholesaler or through a commission agent; or
- (ii) by doing any of the processes of milling, expelling, extracting or manufacturing or refining on behalf of another;
- (p) "pulses" means any of or more of the pulses as specified in Part 'B' of Schedule I, whether or split or with or without husk and includes products thereof other than husk and bran;
- (q) "retailer" means a dealer dealing in any of the trade articles mentioned in Schedule I and who is not a wholesaler;
- (r) "Schedule" means a Schedule appended to this order;
- (s) "Government" means the Administration of Union Territory of Dadra and Nagar Haveli;
- (t) "Sugar" means any form of sugar containing more than 90% of sucrose;
- (u) "Trade article" means any commodity mentioned in Schedule I or Schedule II; and
- (v) "Wholesaler" means a dealer who sells any one or more of trade articles mentioned in Schedule I to other dealers or bulk consumers.

PART II

(Licensing of Dealers)

3. Licensing of Dealers :—

- (1) No dealer shall, after the commencement of this order carry on business of purchase, sale or storage for sale of any of the trade articles mentioned in Schedule I except under and in accordance with the terms and conditions of a licence issued in this behalf by the Licensing Authority under the provisions of this order;

Provided that no licence shall be required for a dealer who stores for sale at any one time the trade articles in quantities not exceeding the limits as may be prescribed by the Administration for any trade articles from time to time.

Provided further that a dealer holding a valid licence of trade articles, under the various Licensing orders mentioned in Schedule III may obtain a licence for the same trade articles under this order within thirtieth day of the commencement of this order. His existing licence shall be deemed to be licence issued to him as a dealer under this order upto the said day.

- (2) For the purpose of this clause, any person, firm, association of persons or a co-operative society, who stores any trade article at any one time in quantities exceeding the limits prescribed in sub-clause (1), shall unless the contrary is proved by him, be deemed to be carrying on business as a dealer and to store the same for the purpose of sale.

4. Issue of Licence :—

- (1) (a) Every application for the grant of a licence (Wholesale or Retail) shall be made to the Licensing Authority in Form "A" alongwith the prescribed fee.

(b) Every Licence issued under this order shall be in form 'C' and subject to the terms and conditions mentioned therein;

(c) The licence shall be valid upto 31st March next year and;

(d) If a licence granted under this order is defaced, lost, or destroyed, the Licensee shall forthwith inform the Licensing Authority who may on application and on the payment of prescribed fee by the licensee issued a duplicate licence.

- (2) A dealer may obtain a licence for any one or more trade articles mentioned in Schedule I.

- (3) A separate licence shall be necessary for each place of business.
- (4) Wholesale and retail licences of the same trade articles shall not be obtained for the same place of business.
- (5) More than one licence for the same trade article at one place of business in the same of different names shall not be obtained.

5. Renewal of Licence :—

An application for renewal of a licence shall be made alongwith the fees determined under clause 6 to the Licensing Authority in Form 'B'. The licence may be renewed for a period upto 5 years at a time. In case the licensee fails to furnish the application alongwith fee within the stipulated time i.e. 31st March, the Licensing Authority may entertain an application upto 30th April, upon the payment of late fee as specified below :—

- (i) for the first fortnight Rs. 2/-.
- (ii) for the second fortnight Rs. 5/-.

6. Fee chargeable :—

The fees for issue of licence, renewal of licence and issue of duplicate licence shall be chargeable as may be determined by the Administration from time to time.

7. Deposit of Security :—

Every dealer applying for a licence shall, before such licence is issued to him deposit with the Licensing Authority the sum specified below in cash by way of security for the due performance of the terms and conditions of the licence issued to him :

- (i) for wholesale licence.....Rs. 750/-
- (ii) for retail licence.....Rs. 300/-

Provided that if the applicant for the grant of a licence as a dealer is a co-operative society registered under the Gujarat Co-operative Societies Act, 1961 as extended to this territory the amount of security to be deposited by it shall be equal to one-fourth of the amounts mentioned above.

8. Power to refuse Licence :—

- (1) The Licensing Authority may, after giving the person affected an opportunity of being heard, and for reasons to be recorded by him in writing, refuse to grant or renew a licence.
- (2) The Licensing Authority shall refuse to grant or renew a licence, if :—
 - (a) the applicant is a minor or a lunatic or is of unsound mind; or
 - (b) the applicant is an undischarged insolvent; or
 - (c) three years period has not expired from the date of conviction of the applicant under the Essential Commodities Act, 1955 (Central Act 10 of 1955).
- (3) The licensing authority shall also refuse to grant a licence for a particular trade article, if
 - (a) a licence has already been issued to another dealer at the same place of business for the trade articles for which the applicant has applied for; or
 - (b) the applicant has applied for both wholesale and retail licence for the same trade article.

9. Addition and Alteration to licence :—

The licensing authority may make necessary additions deletions, alterations in the entire made in the licence relating to godown, place of business, names of partners, trade articles etc. either on the application of the licensee of *suo moto*.

10. Contravention of conditions of licence :—

No holder of licence issued under this order or his agent or servant or any other person acting on his behalf contravenes any of the terms and conditions of the licence.

11 Suspension and cancellation of licence —

- (1) If any licensee or his agent or servant or any other person acting on his behalf contravenes any of terms and conditions of the licence, then without prejudice to any other action that may be taken against him under the Essential Commodities Act 1955 (Central Act 10 of 1955), his licence may be cancelled or suspended with regard to one or more trade articles by an order in writing of the Licensing Authority and an entry will be made in his licence relating to such suspension or cancellation.
- (2) No order of cancellation shall be made under this clause unless the licensee has been given a reasonable opportunity of stating his case against the proposed cancellation but during the pendency or in completion of proceedings of cancellation of licence, the licence can be suspended for a period not exceeding 90 days without giving any opportunity to the licensee of stating his case. Such suspension shall be limited only to those trade articles regarding which contravention has been made by the licensee.

12 Disposal of trade articles when licence is suspended or cancelled —

When a licence issued under this order is cancelled or suspended, the stocks of trade articles available with the dealer at the time of such cancellation or suspension, shall be disposed of by him within 15 days from the date of receipt of order of cancellation or suspension.

13 Consequences of conviction —

Where a licensee has been convicted by a court of law for the contravention of any order made under section 3 of the Essential Commodities Act 1955 (Central Act 10 of 1955), the Licensing Authority shall, by order in writing, cancel his licence.

Provided that where such conviction is set aside in any appeal or revision, the Licensing Authority may, on an application by the dealer, whose licence has been cancelled restore the licence to such dealer.

14 Forfeiture of Security Deposit —

- (1) Without prejudice to the provisions of clause 11, if the Licensing Authority is satisfied that the licensee has contravened any of the terms and conditions of the licence and that a forfeiture of the security deposit is called for, it may, after giving the licensee a reasonable opportunity of stating his case, by order, forfeit the whole or any part of the security deposited by him and communicate a copy of the order to the licensee.
- (2) The licensee shall, if the amount of security at any time falls short of the amount specified in clause 7 forthwith deposit, on being required by the Licensing Authority to do so, further security to make up the deficiency.
- (3) Upon due compliance by the licensee of all obligations under the licence, the amount of security of such part thereof which is not forfeited as aforesaid, shall be refunded to the licensee after the termination of the licence.

PART III

(Restrictions relating to prices and stocks etc.)

15 Display of list of prices and stocks of trade articles —

Every dealer shall during the hours of his business display conspicuously in Form 'F' legibly written in Hindi or Gujarati a list of prices and stocks of trade articles he holds at a place as near to the entrance of his business premises as possible.

Provided further that in case any trade article which is and stocks shall either be in the Devnagri form of numerals or any international form of Indian numerals.

Provided further that in case any trade article which is out of stock, instead of writing the prices thereof in the

list the words "OUT OF STOCK" shall be written in bold letters—against that article,

Provided also that the retail price of any category of trade articles, so displayed, shall not exceed that retail price, if any fixed or recommended by the Central Government or Administration or manufacturer or distributor from time to time in respect of that category of trade article.

16 Sale of trade articles according to list of prices and stocks —

No Dealer shall

- (i) sell or offer to sell to any person trade articles at a price higher than that specified in respect of such article in the list of prices and stocks, and
- (ii) refuse to sell such article to any person at the price so specified or marked.

17 Obligation to give receipt —

No dealer shall sell any trade articles to any person without issuing a cash memo or a bill (stating his own name, quantity, quality, rate and total price charged for the article sold) and without keeping a duplicate copy of such memo or bill,

Provided that it shall not be necessary for a dealer other than a wholesaler to issue any such cash memo or bill or to keep any such duplicate copy in respect of sale of any trade article costing not more than Rs 10/- unless demanded by the purchaser.

18 Restriction on possession of trade articles —

No person shall, either by himself or any person on his behalf, store or have in his possession at any time any trade articles mentioned in Schedule I and Schedule II in quantity exceeding the limits fixed —

- (i) under an order issued by the Central Government, or
- (ii) by the Administration of Dadra and Nagar Haveli with the prior concurrence of the Central Government by issuing a notification in Official Gazette from time to time.

19 Requisitioning of stocks of trade articles —

Every person holding stock of trade articles mentioned in schedule I and schedule II shall sell to the Administration of Dadra and Nagar Haveli or to any person or class of persons the whole or a specified part of his stock at such prices and in such manner as may be specified in the order of the Collector or any other officer not below the rank of Mamlatdar or Purchase and Supply Officer authorised by the Administration in this behalf.

Explanation —For the purpose of this clause the prices payable to a person who is required to sell the whole or a specified part of his stock of trade articles shall be determined by the authority concerned in accordance with the provisions of sub-section (3 B) of section 3 of the Essential Commodities Act, 1955.

20 Returns —

Every dealer referred to in clause 3 shall furnish a return in form "D" to such authority, and in such manner or for such period as may be specified from time to time by the Administration of Dadra and Nagar Haveli by notification in the official Gazette.

21 Sale on Permit —

The Licensing Authority may by general or special order in writing require any dealer holding stock of a trade article to sell such article on permits issued by the Licensing Authority or such other officer authorised in this behalf by the Administration of Dadra and Nagar Haveli.

22 Permit to be Non Transferable —

No holder of permit shall transfer the permit or the trade articles received on such permit to any other person without prior permission of the officer by whom the permit has been issued.

23. Revocation of permit :—

The officer issuing the permit may after giving the permit holder an opportunity of being heard, at any time revoke the permit issued under clause 21 for any of the following reasons :—

- (a) that the permit has been obtained by the permit holder by misrepresentation of material particulars; or
- (b) that the provisions of this order have been contravened by the permit holder; or
- (c) that issue of permit was, in the opinion of the officer issuing the permit, and for reasons to be recorded in writing by him, not otherwise justified.

PART IV**(MISCELLANEOUS)****24. Power to call information :—**

Every dealer shall, when so required by general or special direction of Licensing Authority, furnished truthfully and to the best of this knowledge such particulars or information relating to any trade article, as may be required.

25. Power to issue directions to dealers :—

The Collector or the Licensing Authority may issue directions to any dealer with regard to purchase, sale, disposal, storage or exhibition of the price and stock list of all or any of the trade articles.

26. Power to amend schedules :—

The Administrator may, by an order notified in the Official Gazette, add to or omit from the Schedule any trade articles and thereupon the schedule shall be deemed to have been amended accordingly.

27. Inherent powers of Administrator and Collector :—

In addition to the power specified in this order :—

- (a) The Administrator shall have all the powers of Collector; and
- (b) The Collector shall have all the powers of the Licensing Authority.

28. Appeal :—

- (1) Any person aggrieved by an order made by an officer under this order, may
 - (a) If the order is made by any officer lower in rank than the Collector appeal to the Collector; and
 - (b) If the order is made by the Collector, appeal to the Administrator;
- (2) No such appeal shall be entertained if not preferred within 30 days from the date of receipt of the order appealed against by the appellant.
- (3) No order which adversely affects any person shall be passed under this clause unless such person has been given a reasonable opportunity of being heard;
- (4) Pending disposal of the appeal, the appellate authority may direct that the order against which the appeal is made shall not take effect until the appeal is disposed of.

29. REVISIONS :—

The Administrator, suo moto or on an application, may call for the period of any case decided by the Collector or the Licensing Authority under the provisions of this order and if he is satisfied that the Collector or the Licensing Authority :—

- (a) has exercised a jurisdiction not vested in him or it, or
- (b) has exercised the jurisdiction vested in him or it with material irregularity; or
- (c) has improperly failed to exercise the jurisdiction vested in him or he may pass such order as he thinks fit.

30. Power of Entry, Search and Seizure etc. :—

- (1) The Licensing Authority or any Executive Magistrate or Police Officer not below the rank of Police Sub-Inspector or Mamlatdar or any officer of the Food and Civil Supply department not below the rank of Purchase and Supply Officer or Supply Inspector or any other officer of the Administration not below the rank of Supply Inspector of the Purchase and Supply department and authorised by the Administrator in this behalf, within his jurisdiction, may, with a view to securing the compliance of this order or to satisfy himself that this order has been complied with, with such assistance, if any, as he thinks fit.
 - (a) require, the owner, occupier or any other person in charge of any place, premises, vehicle or vessel in which he has reason to believe that any contravention of the provisions of this order has been or is being or is about to be made, to produce any books or accounts or documents showing transaction relating to such contravention;
 - (b) enter, inspect or break open and search any place or premises vehicle or vessel in which he has reason to believe that any contravention of the provisions of this order has been, is being or is about to be made; or
 - (c) seize any books of accounts and documents which in his opinion may be useful for, or relevant to, any proceedings under the Essential Commodities Act, 1955 (Central Act 10 of 1955) and the person from whose custody such books of accounts or documents are seized shall be entitled to make copies thereof or to take extracts therefrom in the presence of an officer having the custody of such books of accounts or documents;
 - (d) search, seize and remove stocks of trade articles alongwith the packages, covering or receptacles in which such stock is found, if he has reasons to believe that any provision of this order has been or is being or about to be contravened in respect of such stock or any part thereof and may also search, seize and remove the animals, vehicles, vessels or other conveyance used in carrying the said trade article in contravention of the provisions of this order and thereafter take or authorise the taking of all measures necessary for securing the production of stocks of trade article and the animals, vehicles, vessels, or other conveyances so seized before the Collector and for their safe custody pending such production; and
 - (e) for the purpose of such inspection etc. ask any person all necessary questions.
- (2) The provisions of Section 100 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Central Act 2 of 1974) relating to search and seizure shall, so far as may be apply to searches and seizures under this clause.

31 EXEMPTIONS —

- (1) The Administrator may, by General or Special order and subject to such conditions or restrictions as may be specified in such order, exempt any person or class of persons or firm or association of persons or any Co-operative Society from the operation of all or any of the provisions of this order and may at any time suspend or rescind such exemption.
- (2) Nothing in this order shall apply to the Purchase, sale or storage for sale of trade articles by or on behalf of—
 - (i) The Central Government or
 - (ii) The Administration of Dadra and Nagar Haveli, or
 - (iii) The officers departments, institutions or other obligations of the Administration of Dadra and Nagar Haveli or such agencies as may be approved by the Administration, of Dadra and Nagar Haveli

32 Repeal and Savings —

- (1) From the date of commencement of this order, the orders mentioned in Schedule III shall stand repealed and the provisions of this order shall have effect notwithstanding anything to the contrary contained in the orders repealed by this sub clause
- (2) The repeal of the orders referred to in sub-clause (1) shall not effect anything done or omitted to be done or any action taken under the orders so repealed and the provisions contained in the General clauses Act—1897 (Act No 10 of 1897) shall apply to such repeal as they apply to the repeal of any Act of Dadra and Nagar Haveli

SCHEDULE-I

PART 'A' (FOODGRAINS)

- 1 Wheat
- 2 Barley
- 3 Bajara
- 4 Jowar
- 5 Maize
- 6 Rice
- 7 Paddy
- 8 Minor Millets (e.g. Ragi, Kodha)
- 9 Milo
- 10 Sorghum
- 11 Mixture of foodgrains (Guji, Bejhar etc.)

PART 'B' (PULSES)

- 1 Udad
- 2 Moong
- 3 Arhar
- 4 Masoor
- 5 Moth
- 6 Lobia
- 7 Rajmah
- 8 Gram
- 9 Peas
- 10 Tur
- 11 Val
- 12 Any other dal

PART 'C' (OILSEEDS)

- 1 Mustard
- 2 Til
- 3 Ground Nut
- 4 Taramira
- 5 Alsi
- 6 Raddi

7 Imported Oilseeds

8 Any other oil seeds (Kharasana etc.) Sunflower

PART 'D' (EDIBLE OILS)

- 1 Mustard Oil
- 2 Til Oil
- 3 Groundnut Oil
- 4 Taramira Oil
- 5 Alsi Oil
- 6 Raddi Oil
- 7 Hydrogenated Vegetable Oil
- 8 Kharasana Oil
- 9 Imported Edible Oils
- 10 Cotton Seed Oil

PART 'E' (OTHER ARTICLES)

- 1 Sugar and Khandasari
- 2 Gur
- 3 Kerosene Oil
- 4 Coal

SCHEDULE-II

- 1 Tea (all kinds)
- 2 Tyre and Tubes (Cycle, Ricksha, Car, Bus, Jeep, Truck, Scooter, Motor Cycle, Tractor and Trolley, Cart pulled by Animal and other vehicles)
- 3 Soaps (Washing and Bathing)
- 4 Detergent Powders
- 5 Match Box
- 6 Cells and Torches and transistors
- 7 Chillies (Dry)
- 8 Exercise Books
- 9 Fertilizer
- 10 Bread
- 11 Deshi Ghee
- 12 Soda Ash
- 13 Paper (All Varieties)

SCHEDULE III

(LIST OF ORDERS REPEALED)

- 1 The Dadra and Nagar Haveli Foodgrains Dealers Licensing Order-1966
- 2 The Dadra and Nagar Haveli Wheat Dealers Licensing Order 1973
- 3 The Dadra and Nagar Haveli Vanaspathi Dealers Licensing Order-1969
- 4 The Dadra and Nagar Haveli Pulses and Edible Oils Licensing Order 1977
- 5 The Dadra and Nagar Haveli Sugar and Khandasari Dealers Licensing Order-1965
- 6 Dadra and Nagar Haveli Essential Articles Dealers (Regulation) Order 1974
- 7 The Dadra and Nagar Haveli Jaggery Dealers (Licensing) Order-1978

FORM 'A'

[See clause 4(1)(a)]

APPLICATION FOR GRANT OF WHOLESALE/RETAIL LICENCE

TO

THE LICENSING AUTHORITY

Su

I hereby apply for the grant of a licence under the Dadra and Nagar Haveli Trade Articles (Licensing and Control) Order 1981. The required particulars are given hereunder,

- 1 Applicant's particulars —————
 Name ————— s/o —————
 Caste —————

2. Residential address of applicant

(a) House No. _____ (b) Mohalla _____
 (c) Village/Town _____ (d) Tehsil _____

3. Name/Style in which licence is required _____

4. Situation of applicant's place of business _____

(a) House/Shop No. _____ (b) Mohalla/Market _____
 (c) Village/Town _____ (d) Tehsil _____

5. Name of partners, if any of firm:

(1) Shri _____ s/o _____
 Age _____ Caste _____
 (2) Shri _____ s/o _____
 Age _____ Caste _____
 (3) Shri _____ s/o _____
 Age _____ Caste _____
 (4) Shri _____ s/o _____
 Age _____ Caste _____

6. Particulars of trade articles in which the applicant wants to carry on business :—

As a Wholesaler	As a Retailer
1. _____	1. _____
2. _____	2. _____
3. _____	3. _____
4. _____	4. _____
5. _____	5. _____

7. Did the applicant previously hold a licence of the trade articles for which licence has now been applied for? if so give details :—

(i) Name of trade article _____
 (ii) Licence No. _____
 (iii) Amount of security deposited with Challan No. and Date.

8. Does the applicant want to get the security mentioned at item 7 above adjusted towards the security of the licence now applied for, if so, give its challan No. date and amount?

9. How long has the applicant been trading in the trade articles for which the licence has been applied for.

10. Particulars regarding stocks of trade articles in possession on the date of application.

11. Complete address (with House No., Mohalla etc.) of godowns or place where trade articles for which licence has been applied will be stored :

1. _____
 2. _____
 3. _____
 4. _____
 5. _____

12. Has the applicant ever been convicted by a Court of Law for Contravention of any order issued under Essential Commodities Act, 1955 during last 3 years?

13. Particulars of suspension or cancellation of the licence held by the applicant during last three years.

14. Whether the applicant was declared or adjudged as an insolvent by a Court?

I _____ declare that the particulars mentioned at item No. 1 to 14 above are true to the best of my knowledge and belief and nothing has been concealed therein.

I have carefully read the provisions of the Dadra and Nagar Haveli Trade Articles (Licensing and Control) Order, 1981 and I agree to abide by them.

Place _____
 Date _____

Signature of Proprietor/Partner.

FORM 'B'

(See CLAUSE 5)

APPLICATION FOR RENEWAL OF LICENCE NO. _____

To

Licensing Authority,

Sir,

I, hereby apply for renewal of my licence No. _____ issued to me under the Dadra and Nagar Haveli Trade Articles (Licensing and Control) Order, 1981. The required particulars are given below :—

(1) Date on which the licence expires _____
 (2) Name in which the licence stands _____
 (3) For how many years the renewal is desired? _____
 (4) Details of the action, if any, taken against the licensee during the last three years for contravention of an order issued under the Essential Commodities Act, 1955 _____

I _____ hereby declare that the particulars mentioned above are correct to the best of my knowledge and belief and nothing has been concealed therein.

Place _____
 Date _____

Signature of Applicant. —

FORM 'C'

(See CLAUSE 4(1)(b))

THE DADRA AND NAGAR HAVELI TRADE ARTICLES (LICENSING AND CONTROL) ORDER, 1981

LICENCE

(i) Licence No. _____ Wholesaler/Retailer,
 (ii) Security deposited Rs. _____ vide challan No. _____ & Date _____
 (iii) Name of dealer alongwith partners, if any :—

(1) _____
 (2) _____
 (3) _____
 (4) _____
 (5) _____

TERMS AND CONDITIONS

1. Subject to the provisions of the Dadra and Nagar Haveli Trade Articles (Licensing and Control) Order, 1981 and to the terms and conditions of this licence, Mr./M/S _____ is/are hereby authorised to purchase, sell or store for the sale the undermentioned trade articles

As Wholesaler	As Retailer
1. _____	1. _____
2. _____	2. _____
3. _____	3. _____
4. _____	4. _____
5. _____	5. _____

2. (a) The licensee shall carry on the business of afore said trade articles at the following place :

(b) Trade articles in which the aforesaid business to be carried on shall not be stored at any place other than the godowns mentioned below :—

(1) _____
 (2) _____
 (3) _____
 (4) _____
 (5) _____

NOTE : If the licensee intends to store the trade articles in places other than those specified above, he shall give intimation in writing to the licensing authority within a period of seventy two hours of actually storing of these trade articles therein. He shall also produce the licence before the Licensing Authority within a fortnight of his giving intimation mentioned above, for the purpose of making requisite changes.

3. (a) The licensee shall maintain a stock register of daily accounts in form 'F' for the trade articles mentioned in paragraph-1 showing correctly :—

- (i) the opening stock on each day;
- (ii) The quantities received on each day showing the place from where and the source from which received.
- (iii) The closing stock on each day.

Explanation.—The licensee may maintain more than one stock register for the various trade articles and may allot separate page(s) for each trade article.

(b) The licensee shall enter all the transactions held on telephone or through Bilty or otherwise relating to purchase or sale of trade articles, in the stock register. In case the purchased trade articles are not received physically by the licensee on the date of entering into any transaction, a note shall be recorded in this behalf in the stock register.

(c) The quantities of the various trade articles shall be entered in the stock register as under :—

- | | | | |
|--------------------|----------|------|---------------------|
| (i) Foodgrains | Sugar, | Gur, | |
| Khandsari. | Oilseeds | & | |
| Pulses. | | | In Quintals or Kgs. |
| (ii) Edible Oils | | | In Tins /Kgs. |
| (iii) Kerosene Oil | | | In Litres. |
| (iv) Coal | | | In Quintals or Kgs. |

(d) The licensee shall complete the entries in the stock register for each day latest by the beginning of the transactions on the following day, unless prevented by reasonable cause, the burden of proving which shall lie upon him.

(e) A licensee, who himself is a producer of foodgrains, oilseeds or whole pulses, shall separately show the stocks of his own produce in the stock register, if such stocks are stored in his business premises.

4. The licensee shall not contravene the provisions of this order or any other law relating to essential commodities for the time being in force.

5. The licensee shall not;

- (i) Enter into any transaction involving purchase, sale or storage for sale of trade articles in speculative manner prejudicial to the maintenance any easy availability of their supplies in the market;
- (ii) sell or offer to sell any trade article or a price higher than that specified in respect of such article in the list of prices and stocks;
- (iii) refuse to sell to any person any trade article kept for sale at the price specified in the list of prices and stocks; and
- (iv) Keep in his possession stocks of trade articles exceeding the limits fixed under clause 18.

6. The licensee shall display conspicuously in Form 'E' legibly written in Hindi or Gujarati, a list of prices and stocks of the trade articles, he deals with, in accordance with the provisions of clause 15.

7. The licensee shall, issue to every customer of such trade article a cash memo or invoice, as the case may be, giving his own name and licence No.— Name, address and licence number (if any) of the customer, the date of transaction, the quantity sold and the price charged. He shall keep a duplicate of the same to be available for inspection on demand by the Licensing Authority or any other officer authorised in this behalf.

Provided that it shall not be necessary for retailer to issue any such cash memo or invoice or to keep any such duplicate in respect of sale of trade article costing not more than Rs. 10/- unless demanded by the customer.

8. The licensee shall furnished correctly such information relating to business as may be demanded from him and shall carry out such instructions as may, from time to time, be given by the Licensing Authority.

9. The licensee shall give all facilities at all reasonable times to the inspecting authority for the inspection of his stocks and accounts at any shop, godowns or other places used by him for the storage, sale or purchase and for the taking of samples of the trade articles mentioned in paragraph 1 for examination.

10. The licensee shall comply with any direction that may be given to him by the Administrator or the Collector or the Licensing Authority with regard to the purchase, sale and storage for sale of these trade articles and in regard to the Language in which the registers, returns, receipts or invoices shall be written and in regard to the authentication and maintenance of the register mentioned in paragraph 3 above.

11. The licensee shall in case when he functions in a regulated market, abide by such instructions relating to his business as are given by the marketing authority, having jurisdiction, and in any other case by such body as may be recognised by the Administrator in this behalf.

12. Every licensee shall take adequate measures to ensure that the trade articles stored by him are maintained in proper condition and that damages to these articles due to around moisture rains, insects, rodents, birds, fire and such other causes are avoided. The licensee shall also ensure that fertilizers, insecticides and poisonous chemicals likely to contaminate such articles are not stored with these articles in the same godown or in immediate juxtaposition to the stocks of trade articles.

13. The licensee shall supply or sell the trade articles to the consumer or dealer in the same quantity or weight and at a price marked on the container/package but if any shortage limit is allowed by any order of the Central Government or Administration of Dadra and Nagar Haveli the same will be deducted from the quantity of weight.

14. This licence shall be attached to an application for renewal.

15. This licence shall be valid upto 31st March, 198—

Place :—

Date :—

(Licensing Authority).

FORM 'D'
(SEE CLAUSE 20)

Return for the period. Name. *Licence No. Wholesale/
Retail.

Sr. No.	Name of trade article	Stocks at the beginning of fortnight/ month.	Stock purchased or otherwise received during fortnight/ month	Total	Stock sold or otherwise removed during the fortnight/ month	Stock at the end of the fortnight/ Month.	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8

Place :—

Date :—

Signature

To,

The Licensing Authority,

N.B.

- I. Weight is to be entered in quintal/litre/tonne.
- II. Goods pledged with Bank, Co-operative Society etc. are also to be included in the above figures and a note be given in remarks column.
- III. Transaction need not be mentioned. Figures may be rounded off to the nearest quintal/litre/tonne.
- IV. small packs of Hydrogenated vegetable Oil, Edible Oil or gur etc. may be first converted into quintals etc. and then included in this return.

Not to be given in case of a person having no licence.

FORM 'E'
(SEE CLAUSE 15)

LIST OF PRICES AND STOCKS OF TRADE ARTICLES

Name of the Dealer. Date.

Sr. No.	Name of the trade articles	Price of each trade article	Stock of trade article at the beginning of day	REMARKS
1	2	3	4	5

Signature of Dealer.

[N.B.]

- (i) Each quantity/make of the trade article should be shown separately so as to indicate the separate price quality/make.
- (ii) In fourth column of above list, if a trade article other than oilseeds, pulses, kerosene oil, coal, edible oils is in stock the word "Available" be written, and if a trade article is out of stock the words "Out of stock" be written by a dealer.

FORM 'F'
(SEE CONDITION NO. 3 OF THE LICENCE)

STOCK REGISTER.

Name of the Trade Article.

Date	Opening balance	Receipts	Source of receipts.	Total (Col 2+3)	Deliveries/ sales.	Place of Destination	Closing balance	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8	9

By Order of the Administrator,

Secretary to the Administrator,
Dadra and Nagar Haveli,
Silvassa